स्वामित्वः अपेम पेट्रॉन टीम

Reg. No. :2020/BAR/80/BK/01

अपेम लाइव न्यूज

(अपेम ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित व प्रसारित)

संपर्क सूत्र–
7004315538
7004704981
9431140260

साप्ताहिक डिजीटल न्यूज पोर्टल

प्रकाशन वर्ष 2021 | खबर ही नही , बल्कि खबरों का विश्लेषण भी | दिनांक -11/07 2021 अंक 07

बरही से प्रकाशित एवं प्रसारित

अपेम कला मंच, बरही हजारीबाग, झारखंड

अपेम ट्रस्ट के द्वारा संचालित अपेम कला मंच, कला के क्षेत्र में देगा बरही को विशिष्ट पहचान

अपेम कला मंच करेगा अपेम ऑफ द ईयर (सिंगर) व अपेम ऑफ द ईयर (डांसर) व अपेम ऑफ द इयर(पेंटर)की खोज,बनी योजना, मिली जिम्मेवारी

अपेम लाइवः बरही
कृष्णा प्रजापति

कृष्णा प्रजापति

अपेम ट्रस्ट के द्वारा संचालित अपेम कला मंच अब धीरे धीरे नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है । अपेम कला मंच से काफी कलाकार जुड़े हैं। लेकिन इनमें कुछ कलाकार ऐसे हैं जिनके आत्मा दिलो दिमाग में बसता है अपेम कला मंच। आज हम उन्ही में से कुछ कलाकारों का परिचय कराना चाहते । जिन्होने अपनी मेहनत के बल बुते कला को जन जन तक पहुंचाने का काम किया है। ये वे लोग हैं जो अपेम कला मंच को अपना मंच समझा और इनके विकास के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। यही कारण है कि अब इनकी पहचान बढ़ती जा रही है। इनके कलात्मक विकास के लिए अपेम ट्रस्ट योजना भी बना रही है। जल्द ही इनकी कलाकारी आप लोगों के समक्ष होगी। कला के क्षेत्र में इनके योगदान को भुलाया नही जा सकता। बहुत जल्द बरही के इतिहास में नई अध्याय जुडने जा रही है। अपेम ऑफ द इयर (सिंगर) एवं अपेम ऑफ द इयर (डांसर) अपेम ऑफ द इयर (पेंटर) की खोज हेतु ओपेन कम्प.िटीसन की तैयारी चल रही है। इस कार्य क्रम को मूर्त रूप देने में जिनकी सहभागिता रहेगी, उनके हुनर का परिचय आज हम कराने जा रहे हैं। आइए जानते है अपेम कला मंच से जुड़े कलाकारों के बारे में:–

1 सुनील कुमार मिश्रा: बरही डीवीसी के पास रहने वाले सुनील मिश्रा की कला बरही ही नही बल्कि राज्य के कोने कोने तक पहुंच रहा है। एक से एक मूर्ति, डिजायनर टेबल, घर मे सजाने वाला आकर्षक आकृति घर की सुंदरता को चार चांद लगता है। इनके द्वारा बनाया हुआ वाटर प्रूफ सोफा सेट का क्या कहना। एक बार प्रयोग में लाने से आप इनके दीवाने हो जाएंगे। गौतम बुद्ध की प्रतिमा को जीवंत बनाने में इनकी कला की सराहना झारखण्ड ही नही बल्कि पूरे देश मे की जाती है।

2 सतीश शीतल: बरकट्ठा के रहने वाले सतीश शीतल की सौम्यता एव मधुरभाषी व्यक्तित्व ही इनकी पहचान है। फिल्म निर्माण, एलबम निर्माण में इनके डायरेक्शन की तूती बोलती है। कलाकारों को सींचने में एव कलाकारों को प्रशिक्षित करने में उनकी कला को निखारने में सतीश शीतल कोई कोर कसर नही छोड़ते। अपनी खोरठा भाषा, एव एक्टिंग में इनकी काफी पकड है। जल्द ही अपेम कला मंच के बैनर तले कई डॉक्युमेंट्री फिल्म एव एलबम की शूटिंग की इनकी योजना है।

3. राज आर्यन उर्फ छोटी : राज आर्यन उर्फ छोटी आज बरही ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी एक सफल कोरियोग्राफर के तौर पर जाना जाता है। पिछले 10 वर्षो से बरही में डांस को एक नई आयाम देने में राज आर्यन उर्फ छोटी का विशेष योगदान रहा है बरही में घर–घर तक नृत्य को पहुंचाने में इनके अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता । इन्होंने राज आर्यन डांस एकेडमी के माध्यम से अब तक हजारों बच्चों को डांस सीखा चुके है। बरही के लगभग सभी बड़े छोटे विद्यालय में जाकर कार्यक्रम बनाना, नृत्य संगीत की प्रस्तुति देना इन्हें काफी अच्छा लगता है। इनके बच्चे अनुशासनप्रिय होते हैं। लोगो की चेहरा पर एक मुस्कान लाना इनके बाएं हाथ का खेल है। जल्द ही अपेम कला मंच के बैनर तले डांसिंग कश्वम्पिटिशन की शुरुवात करने की योजना है।

सुनील कु मिश्रा(आर्टिस्ट)

सतीश शीतल(डायरेक्टर)

राज आर्यन (कोरियोग्राफर)

जोगेन्द्र गुप्ता (पेंटर)

बिकास कुमार(गायक)

प्रदीप पांडेय(गायक)

प्रख्यात उर्फ सेतु(कॉमेंडियन)

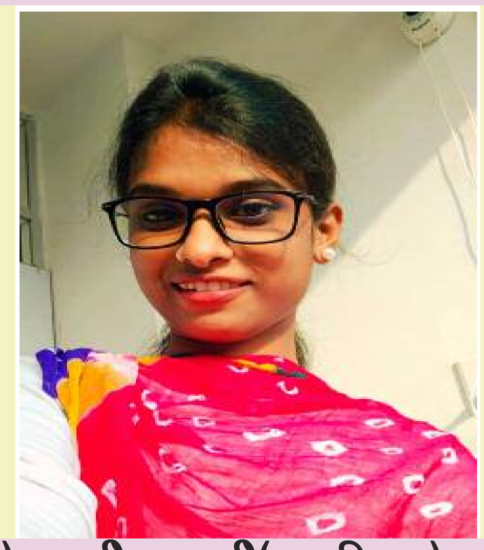

लक्ष्मी कुमारी(गायिका)

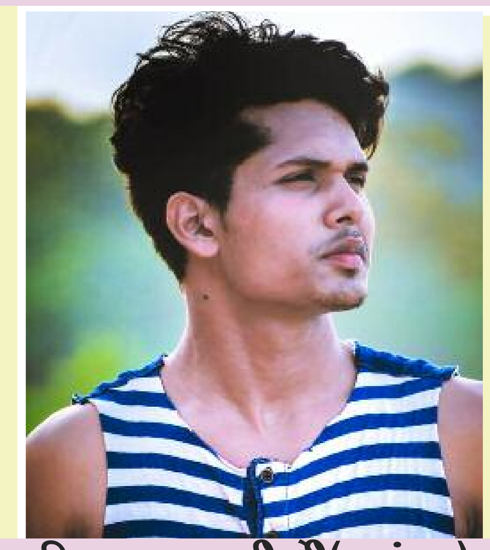

बिकास बाल्मीकी(डांसर)

शिवम आनंद(एक्टर)

4 .जोगेन्द्र कुमार गुप्ता: बरसोत के रहने वाले जोगेन्द्र कुमार गुप्ता बहुत ही कम उम्र में पेंसिल स्केच पेंटिंग सहित पेंटिंग के अलग अलग आयामो में अपनी खास पहचान बनाई है। इन्होंने न केवल बरही या हजारीबाग के सामाजिक कार्यकर्ताओं की पेंटिंग बनाई है। बल्कि कई जनप्रतिनिधियों, सेलिब्रिटी का भी पेंटिंग बनाकर सुर्खिया बटो.र चुके हैं। इनके मधुर व्यवहार, सौम्यता एवं पेंटिंग के प्रति समर्पण इन्हें काफी दूर ले जाएगा। अपेम कला मंच के बैनर तले इनके माध्यम से जल्द ही स्कूल खुलने पर पेंटिंग कम्पिटिशन आयोजित करने की योजना है।

5. बिकास कुमार : बाराटांड बरही के रहने वाले बिकास कुमार अपनी गायिकी से लोगो को दीवाना बना रहे हैं। बरही में एक प्रसिद्ध गायक के तौर पर इनकी पहचान है। इन्होंने कई एलबम में खोरठा, हिंदी एव भोजपुरी गाना गाया है। इनके गाने स्थानीय स्तर पर काफी हिट रहे है। इनके आवाज में गजब का जादू है। इनके गानों की मिठास लोगो को अपने सुरों में बांधे रखने में इन्हें महारत हासिल है। जल्द ही इनके नेतृत्व में अपेम कला मंच के बैनर तले सिंगीग कम्पिटिशन आयोजित करने की योजना है।

6. प्रख्यात कुमार उर्फ सेतु :– बरही ब्लॉक कैम्पस में रहने वाले प्रख्यात उर्फ सेतु बरही में कॉमेडी का बादशाह के तौर पर जाने जाते हैं। इन्होंने एक से बढ़कर एक कॉम्मेडी की शूटिंग कर लोगों को मनोरंजन किया है। कई एलबम में भी बतौर कॉमेडियन इन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। सोशल मीडिया में दर्जनों कॉमेडी इनका वायरल हो चुका है। प्रख्यात उर्फ सेतु डांस भी अच्छा कर लेते हैं। लेकिन कॉमेडी में इनकी गहरी रुचि है। अपेम कला मंच इनके कॉमेडी प्रतिभा को और निखारने के लिए योजना बना रहा है।

7 लक्ष्मी कुमारी – बरही धोबी टोला की रहने वाली लक्ष्मी बरही में एक महिला सिंगर के रूप में जानी जाती है। इनकी आवाज में भी जादू है। इन्होंने कोरोनाकाल में डॉक्टर्स पर फिल्माया गीत गाकर सुर्खियां बटोर चुकी है। बरही में जहां भी अपेम कला मंच का कार्यक्रम होता है। इनकी बढ़ चढ़ कर भागीदारी रहती है। बहुत जल्द फ़िल्म में गाना गाने का मौका मिलने वाला है। लेकिन बरही में इन्हें बरही का सुर कोकिला के नाम से जाना जाता है।

8 बिकास बाल्मीकि: बरही बराटांड़ के रहने वाले बिकास बाल्मीकि नृत्य के क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है। डांस के क्षेत्र में ये बच्चो के बीच काफी पॉपुलर हैं। स्टंट करने में माहिर हैं। अपने नृत्य स्टंट से लोगों को अपना मुरीद बनाना इन्हें खूब आता है। इन्होंने कई एलबम में नृत्य भी किया है। वहीं कई एलबम एव डॉक्यूमेंट्री में इन्होंने कोरियोग्राफर की भूमिका निभाई है। अपेम कला मंच के बैनर तले इनके द्वारा छोटे छोटे बच्चों के बीच डांस कॉम्पिटिशन आयोजित करने की योजना है।

9. प्रदीप पांडेय: बरही पटना रोड निवासी प्रदीप पांडेय भी एक जाने माने सिंगर हैं। उन्होने सैकडो स्टेज शो कर सुर्खियां बटोर चुके हैं। जल्द ही इनका खुद का गाया हुआ गाना जल्द ही अपेम कला मंच के बैनर तले सुनने को मिलेगा।

10. शिवम आनंद: लोहार टोली बरही निवासी शिवम आनंद यूं तो समाजिक क्षेत्र में बढ चढ कर हिस्सा लेते रहते हैं लेकिन इनकी गहरी रूचि कला के क्षेत्र में भी है। एक्टिंग में माहिर हैं। कई डॉक्यूमेंटरी फिल्म में एक्टिंग कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। कोरोना काल में कोंरोना जागरूकता लघु फिल्म में बतौर एक्टर काम किया। इनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हुई। निकट भविष्य में भी कई डॉक्यूमेंटरी फिल्म में इनकी एक्टिंग देखने को मिलेगी।

अपेम ट्रस्ट का बढता कदम -----

कोरोना की तीसरी लहर से डरने व घबराने की जरुरत नही बल्कि सतर्क रहने की जरूरत हैः डॉ मोनिका मिश्रा

कोरोना का नया वैरिएंट से बचाव में कोविड वैक्सीन ज्यादा असरदार, वैक्सीन लेना जरूरी,

अपेम लाइवः बरही
उषा रानी

उषा रानी

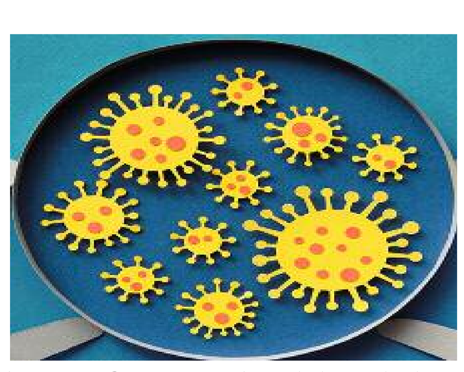

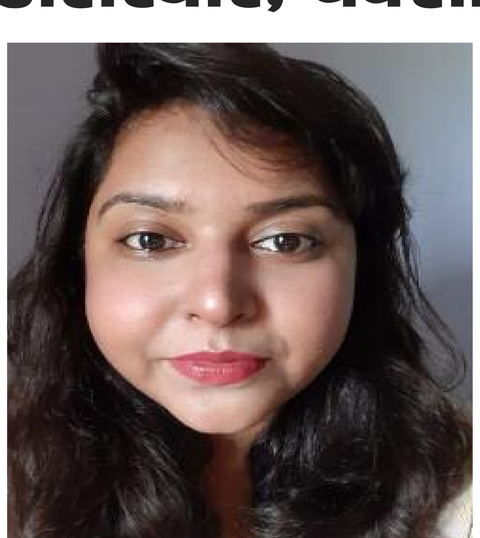

डॉ मोनिका मिश्रा

अपेम मेडिक्ल एडवाइजरी बोर्ड से जुड़ी महिला डॉक्टर डॉ मोनिका मिश्रा ने कोरोना के तीसरी लहर एव कोरोना की अलग अलग वैरिएंट की जानकारी देते हुए आम जनता को सतर्क किया है। साथ ही नए वैरिएंट की लक्षण एव उससे बचाव की तरकीब बताई है। डॉ मोनिका मिश्रा ने बताया कि देश में कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप हमलोग झेल चुके है। विशेषज्ञों की माने तो तीसरी लहर अगस्त 2021 में आ सकती है। धनबाद में आए तीन बच्चों की केस की पुष्टि हो भी गई है। यानि तीसारा लहर की शुरूआत हो चुकी है। जिससे ज्यादातर बच्चे प्रभावित हों रहे हैं। इसकी आशंका है। कोरोना के डेल्टा वैरिएंट ने देश मे तबाही का माहौल ला दिया था। कई लोगों ने अपनी जान गवाई और इससे सीख लेते हुए आने वाले समय मे हमे और सतर्कता की जरूरत है। हमारे बीच अब कोरोना का एक नया वैरिएंट आ चुंका है डेल्टा प्लस, यह डेल्टा में ही म्यूटेशन हुआ एक वैरिएंट है। आंकड़ों की मानें तो 30 जून तक 56 केसेस 12 राज्य में सामने आए है। डेल्टा प्लस के संक्रमण के बारे में अभी कुछ भी कह पाना ठीक नही होगा। परन्तु सरकार ने इसे वैरिएंट ऑफ कन्सर्न की श्रेणी में रखा है । क्योंकि ये डेल्टा में म्यूटेशन से उत्पन्न हुआ है। डेल्टा प्लस संक्रमण के कुछ खास लक्षण है जो इस प्रकार है, सुखी खांसी, आंख लाल होना, अंगुलियों के रंग में बदलाव, पैर अंगूठे और छाती में दर्द की शिकायत, शरीर मे चकत्ते पड़कर खुजली होना, सर दर्द बुखार इत्यादि है। हमें इससे घबराने की जरूरत नही है लेकिन पहले से अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। मास्क का प्रयोग अनिवार्य है और नियमित रूप से हाथ धोना जरूरी भी है। भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचे और जागरूक रहें। अगर हमने सारे सुरक्षा के उपाय और सरकार द्वारा दिये गए निर्देशों का पालन नही किया तो ये वैरिएंट बहुत बड़ी चिंता का विषय बन सकता है। हमारी दोनो वैक्सीन व कोवैक्सिन और कोविशिल्ड को डेल्टा वैरिएंट से लड़ने में सक्षम पाया गया है। इसलिए टीकाकरण अवश्य करवाएं और सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सारे बचाव के नियम को अपनाए। कोई भी लक्षण आने पर अपने नजदीकी अस्पताल में परामर्श करें। ज्ञात हो कि डॉ मोनिका मिश्रा कोडरमा में कोविड केयर सेंटर में सेवा देते हुए कई क्रिटिकल कोविड पेसेंट को ठीक करने में काफी कामयाब हुई थी।

दुसरों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाने वाला पीएचईडी खुद है बीमार

पीएचईडी परिसर में गंदगी का अंबार, वर्षो से बंद पड़ा है जलापूर्ति सिस्टम, जन प्रतिनिधि भी गंभीर नही, जन अंदोलन की जरूरत

अपेम लाइवः बरही
सोनू पंडित

वर्षों से बंद पेयजल आपूर्ति कब होगा चालू , जिम्मेवार कौन

सोनू पंडित

झाडियों में तब्दील होता बरही का पीएचइडी

बरही हज़ारीबाग़ रोड में संचालित है लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग जिसे शश्वर्ट में पीएचईडी कहा जाता जा। इसका मुख्य कार्य लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए शु) पेयजल आपूर्ति करना है। लेकिन यह विभाग पूरी तरह खुद बीमार है। पीएचईडी परिसर में गंदगी का अंबार है। चारो ओर झाड़ियों का जमावड़ा है। देखने को तो यहां दो दो पानी की टंकी बनी हुई है। लेकिन दोनों केवल शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। इससे पानी की आपूर्ति नही हो रही है। वर्षो से पेयजल आपूर्ति बंद है। पीएचईडी को कनेक्ट कर उज्जैना में बन रहे वाटर

संचालित करने के लिए बजापते एक अश्वफिस भी है। जहां जेई एवं सहायक अभियंता का रहना था। लेकिन बिडम्. बना देखिए। दोनो गायब रहते है। इन्हें कोई डर भय नही है। इसके लिए दोषी ये खुद नही है। यहां के विधायक एवं सांसद है। क्योंकि इनके द्वारा कभी सुध नही ली गई है। पीएचईडी परिसर पूरी तरह खुला है। यहां कोई रहते नही है। जिसके कारण लोग इस परिसर को शौच के लिए उपयोग में लाते हैं। कोई देखने वाले नही है। इसी पीएचईडी से

ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से तिलैया डैम जलाशय के पेयजल आपूर्ति का भी योजना है। जो पिछले 12 वर्षो से लटका हुआ है। स्थानीय लोगों कोभी कुछ फर्क नही पड़ता यदि फर्क पड़ता तो निश्चित ही पेयजल के लिए चरणब) आंदोलन होता । क्योंकि यहां की सरकार एव जन प्रतिनिधि कुम्भकणह्ल नीद में सोये रहते हैं। इन्हें जगाने का एक मात्र उपाय है जन आंदोलन । अब देखना है बरही की जनता कब तक आंदोलन की बिगुल फूंकती है।

यही है आपका पीएचइडी जहां गंदगी ही गंदगी हैं

...बरही अनुमंडल हजारीबाग, कोडरमा, गिरीडीह की सम समायिक, बैठक, कार्यक्रम एवं घटना प्रधान खबरो के लिए पढते रहिए–

REG NO. - UAM /JH11D0009223
संध्या प्रहरी
न्यूज पोर्टल संध्या दैनिक
बरही 93048 90833, 88253 91889, 91109 08004, चौपारण 87098 36957, बरकट्ठा 70048 87272
गिरीडीह 70045 74046, कोडरमा 77177 25283 sandhyapraharibarhi@gmail.com
हजारीबाग। कोडरमा। गिरीडीह । बढ़ता झारखण्ड, बदलता झारखण्ड का सजग प्रहरी । दिनांक -04/06/2021
सकारात्मक खबरों से रू-ब-रू कराना हमारा मकसद

सम समायिक, बैठक, कार्यक्रम एवं घटना प्रधान खबरो के लिए पढते रहिए–

दैनिक भास्कर

खाना बनाते वक्त छोटे–छोटे उपाय भोजन का स्वाद बढ़ा देते हैं और काम भी आसान कर देते हैं। ऐसे ही कुछ काम के टिप्स यहां

अपेम लाइव : बरही
प्रियंका आनंद

प्रियंका आनंद

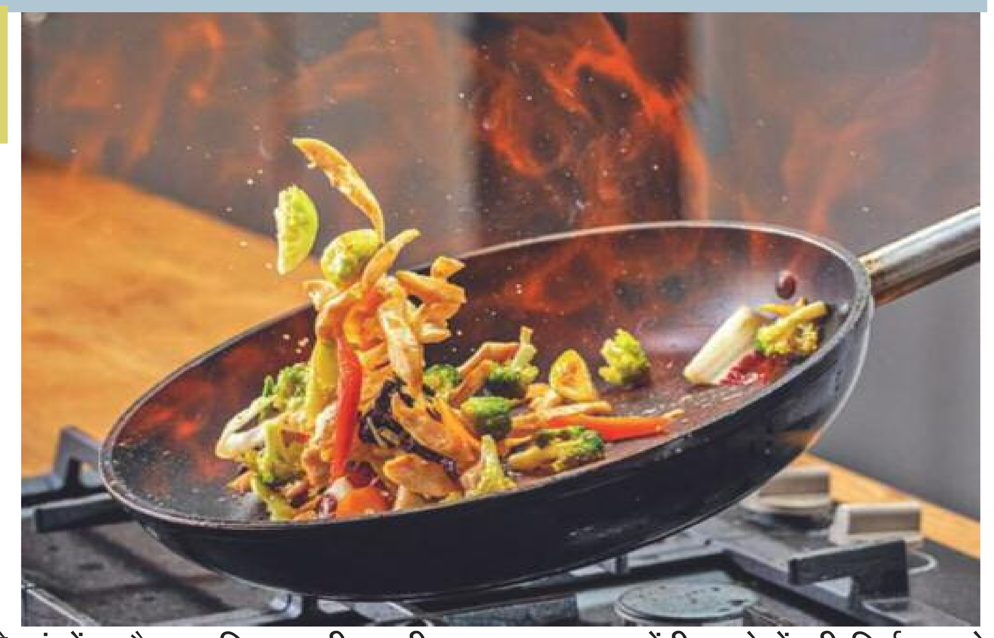

अगर सूखी सब्ज़ी जल्दी बनानी है तो गर्म तेल में जीरा और हींग तड़काएं। फिर प्याज़ डालकर पार्दशी होने तक भूनें। पार्दशी होते ही आलू, बैंगन, कद्दू जैसी सख्त सब्ज़ियां आदि डाल कर प्याज़ के साथ भून लें। जैसे–जैसे प्याज़ भुनेगा सब्ज़ी भी भुन जाएगी। फिर ऊपर से पिसा मसाला और नमक डालकर मिलाएं, कुछ सेकंड चलाएं। तैयार है इंस्टेंट और स्वादिष्ट सूखी सब्ज़ी।

बेसन के पकौडे को मुलायम बनाने का तरीका:–

बेसन के पकौड़े मुलायम बनाने के लिए बेसन को अच्छी तरह से फेंटना पड़ता है। पर इसमें समय और मेहनत दोनों लगती है। ऐसे में बेसन थोड़ा–साथ फेंटें और इसमें चुटकी भर बेकिंग पाउडर मिलाकर तुरंत पकौड़े बनाएं। इससे ये मुलायम बनेंगी।खाने में हरी मिर्च डालने से पहले इसके बीज हटा कर डालें। इससे तीखापन कम होगा और स्वाद भी अच्छा आएगा। अगर बेसन अच्छी तरह फेंट लिया है, तो एक चम्मच गर्म तेल बेसन में मिलाकर पकौड़े बनाएं। इससे भी पकौड़े मुलायम और फूले हुए बनेंगे।

Health is Wealth

अपेम ट्रस्ट के माध्यम से विकास बाल्मीकि ने रक्तदान कर बचाई महिला की जान

अपेम लाइवः बरही
राज आर्यन उर्फ छोटी

राज आर्यन उर्फ छोटी

नियमित अंतराल में रक्तदान करने से खुद का शरीर स्वस्थ रहता है: डॉ अनिल

अपने नृत्य से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले बाराटांड निवासी व अपेम कला मंच के सक्रिय सदस्य विकास बा. ल्मीकि ने शुक्रवार को रक्तदान कर एक गरीब महिला की जान बचा । जानक. ारी के मुताबिक बरही डीह निवासी मंटू लसह से किसी जरूरतमंद ने ब्लड की जरूरत से अवगत कराया। मंटू लसह ने अपेम संरक्षक टीम के संरक्षक सदस्य अमित केशरी से संपर्क साधा। अमित केशरी ने अपेम ट्रस्ट कार्यालय से संपर्क कर डोनर की व्यवस्था की। अपेम चीफ एडवाइजर डश्च अनिल कुमार के निगरानी में ब्लड लिया गया और जरूरतमंद महिला को ब्लड चढ़ाया गया। रक्तदान कर खुशी का इजहार करते विकास बाल्मीकि ने बताया कि रक्तदान से सुखद अनुभूति होती है। यदि हमारे रक्तदान करने से किसी की जान बच सकती है तो निश्चित ही हर व्यक्ति को रक्तदान करनी चाहिए। रक्तदान कार्यक्रम को मूर्त रूप देने वाले डश्च अनिल कुमार ने कहा कि नियमित अंत. राल में रक्तदान करने से रक्तदाता खुद भी सेहतमंद रहता है और दूसरों को जान भी बचाता है। रक्तदान करने वाले लोगों को हार्ट अटैक की खतरा काफी कम हो जाता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी नही के बराबर होता है।

रक्तदान करते डांसर विकास बालमिकी

रक्तदान करने वाले बिकास के प्रति जरूरतमंद महिला ने आभार जताया। बता दें कि विकास बाल्मीकी हमेशा से ही समाजिक कार्यो में बढ चढ कर भाग लेते रहते हैं। यही वजह है कि इनकी पहचान औरो से अलग है।

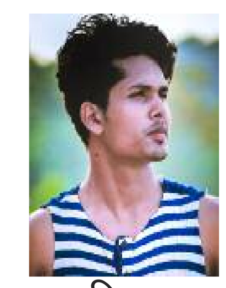

विकास

आज विश्व जनसंख्या दिवस है:जानें कब और क्यों मनाया जाता है विश्व जनसंख्या दिवस

अपेम लाइव : बरही
डॉ अनिल कुमार

बढ़ती पॉपुलेशन की इस बड़ी समस्या से निपटने के लिए परिवार नियोजन जैसे समाधान मौजूद हैं, लेकिन जागरूकता की है कमी, समझना होगा

डॉ अनिल कुमार

वर्ल्ड पॉपुलेशन डे (विश्व जनसंख्या दिवस) पर पूरी दुनिया में पॉपुलेशन कंट्रोल करने के लिए तरह–तरह से नियमों से लोगों को परिचित कराया जाता है। इसके अलावा परिवार नियोजन के मुद्दे पर लोगों से बातचीत की जाती है। किसी भी देश की जनसंख्या ह्यूमन रिसोर्स के तौर पर उसके लिए उपयोगी हो सकती है। लेकिन लगातार अनकंट्रोल हो रही पॉपुलेशन, उसी देश के लिए परेशानी का एक बड़ा कारण भी बन सकती है। अशिक्षा, बेरोजगारी, भुखमरी और गरीबी, अनियंत्रित होती आबादी का ही परिणाम है। बढ़ती पॉपुलेशन की इस बड़ी समस्या से निपटने के लिए परिवार नियोजन जैसे समाधान मौजूद हैं। लेकिन लोगों में जागरूकता की कमी के कारण इस समस्या से छुटकारा नही मिल पा रहा है और यह लगातार बढ़ती ही जा रही है। बेवजह और लगातार बढ़ती पॉपुलेशन पर ब्रेक लगाने के लिए ही दुनियाभर में 11 जुलाई को वर्ल्ड पॉपुलेशन डे (विश्व जनसंख्या दिवस) मनाया जाता है। **आइए जानते हैं क्यों मनाया जाता है वर्ल्ड पॉपुलेशन डे और कैसे बढ़ती जनसंख्या को रोका जा सकता है.**

क्यों मनाया जाता है वर्ल्ड पॉपुलेशन डे:–

यूनाइटेड नेशन ने 11 जुलाई1989 को आम सभा में विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का फैसला लिया था। दरअसल 11 जुलाई 1987 तक वर्ल्ड पॉपुलेशन का आंकड़ा 5 अरब के भी पार पहुंच चुका था। तब दुनिया भर के लोगों को बढ़ती आबादी के प्रति जागरूक करने के लिए इसे वैश्विक स्तर पर मनाने का फैसला लिया गया था.

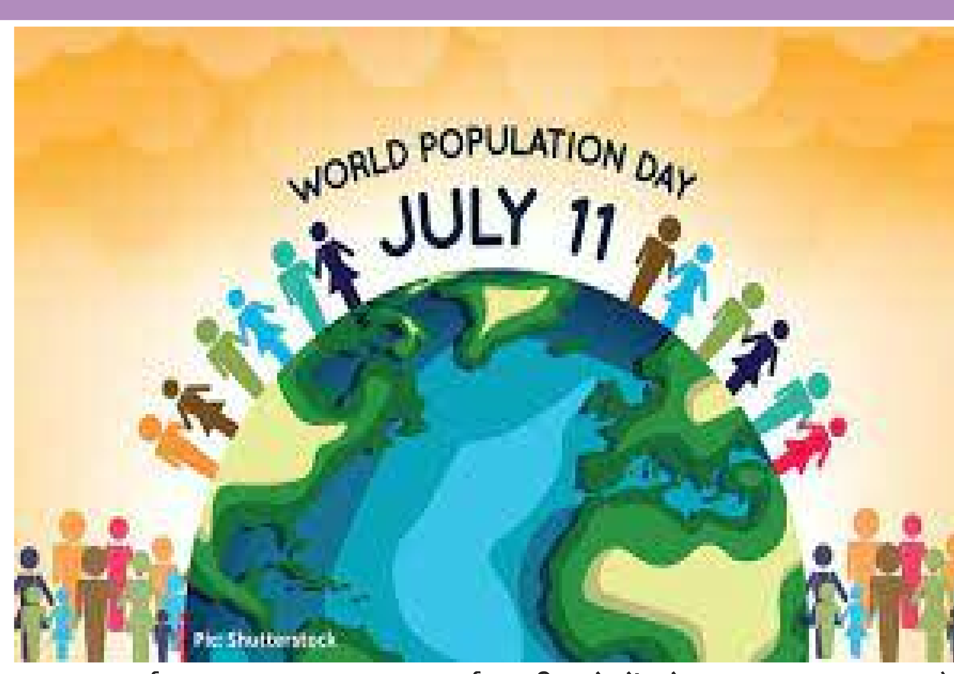

वर्ल्ड पॉपुलेशन डे की थीम:–

विश्व जनसंख्या दिवस 2021 की थीम है: प्रजनन दर में बदलाव का समाधान सभी लोगों के प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों को प्राथमिकता देना है.

किस तरह मनाया जाता है वर्ल्ड पॉपुलेशन डे:–

वर्ल्ड पॉपुलेशन डे पर पूरी दुनिया में पॉपुलेशन कंट्रोल करने के लिए तरह–तरह से नियमों से लोगों को परिचित कराया जाता है। इसके अलावा परिवार नियोजन के मुद्दे पर लोगों से बातचीत की जाती है। इस दिन जगह–जगह जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों के जरिए लोगों को जागरूक करने की कोशिश की जाती है। जेंडर इक्वलिटी, मां और बच्चे का स्वास्थ्य, जेंडर एजुकेशन, गर्भनिरोधक दवाओं के इस्तेमाल से लेकर यौन संबंध जैसे सभी गंभीर विषयों पर लोगों से खुलकर चर्चा की जाती है। इस दिन बढ़ती जनसंख्या को रोकने के समाधान और इस और लोगों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तमाम कोशिशें की जाती हैं। कई जगहों पर सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं तो कही पर इन विषयों को लेकर. चर्चा की जाती है। हालांकि कोरोना काल में इन सम्मेलनों पर रोक लगाई गई है। साथ ही इस दिन लोगों को विभिन्न प्रकार के गर्भ निरोधकों के बारे में भी जानकारी दी जाती है ताकि वह इन उपायों को अपना सकें और बढ़ती जनसंख्या पर रोक लग सके। जनसंख्या जिस तरह बढ रही है। यदि समय रहतें इस पर अंकुश नही लगाया गया तो यह विस्फोटक रूप धारण कर लेगी। जिसका प्रतिकूल प्रभाव आम जन मानस पर पडेगा। इसलिए आज विश्व जनसंख्या दिवस पर शपथ लेने की जरूरत है कि हम स्वेच्छा से ही जनसंख्या नियंत्रण पर अपनी सहभागिता बढाएं ताकि विस्फोटक होती जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सके। यदि ऐसा नही होता है। तो निश्चित मानिए अगला विश्व युदध में बढती जनसंख्या ही मूल कारण बनेगी। बढती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए विश्व स्तर पर एक कडी कानून लाने की जरूरत महसूस की जा रही है। जिसका अनुपालन सभी देश करे।

रॉयल आर्किड इंटरनेशनल स्कूल को सीबीएसई से मिली पांच वर्षों का एक्सटेंशन, विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल

अपेम लाइवः बरही
कृष्णा प्रजापति

बहुत ही कम समय में रॉयल आर्किड ने बनाया अपना स्थान, आधुनिक तकनीक से दी जाती हैं यहां शिक्षा, खेलकूद पर जोर

चकुराटांड रसोइया धमना में संचालित सीबीएसई मान्यता प्राप्त रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल को सीबीएसई बोर्ड नई दिल्ली ने पांच साल का एक्सटेंशन दे दिया है। सीबीएस नई दिल्ली ने पिछले साल के परफॉर्मेंस को देखते हुए अगले पांच सालों के लिए पुनः मान्यता दे दी है। अब अगले पांच वर्षों तक नवीकरण की जरूरत नही पड़ेगी। ज्ञात हो कि रॉयल ऑर्चिड इंटरनेशनल स्कूल ने बहुत ही कम समय मे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बरही के अभिभावकों में इस स्कूल से अपना लगाव हो गया है। प्राचार्य अनूप कुमार सिंह ने बताया कि कोरोनाकाल में लॉकडाउन के कारण विद्यालय बन्द किया गया है। लेकिन हमलोगों के प्रयास से इस कोरोना काल में भी स्कूल अपने विद्यार्थियों को लगातार ऑनलाइन शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमे सभी शिक्षक तथा स्कूल प्राचार्य अनूप कुमार सिंह खुद इस कार्य मे लगे है। स्कूल प्रबंधन के द्वारा लगातार शैक्षणिक गतिविधियां कराया जा रहा है। जिसका लाभ बच्चो को मिल रहा है। अनूप सिंह ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड ने स्कूल के मूल्यांकन के बाद ही 5 सालों के लिए एक्सटेंशन दिया है। एक्सटेंशन मिलने से विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक एव बच्चो में हर्ष व्याप्त है। अब पांच सालों तक नवीकरण की जरूरत नही पडेगी।

अनुप कुमार सिंह(प्राचार्य)

रॉयल ऑर्चिड इंटरनेशनल स्कूल रसोइया धमना

प्रदान संस्था ने सहिया साथी को उपलब्ध कराया कोरोना सेफ्टी किट, दिया प्रशिक्षण

अपेम लाइवः बरही
रितेश कुमार

सहिया को कोरोना सेफ्टी कीट वितरण करतें प्रदान कर्मी

प्रदान संस्था ने डीएस ग्रुप के वित्तीय सहयोग से बरही के सहिया व सहिया साथी के बीच समाजसेवी दुर्गेश नन्दिनी व प्रदान संस्था के समन्वयक धीरज कुमार महतो की उपस्थिति में कोरोना सेफ्टी कीट का वितरण किया। इस पैकेट में सेनीटाइजर, एन–95 मास्क, क्लश्वथ मास्क, फेस शील्ड, हेड कैप, ग्लब्स इत्यादि शामिल है। बताते चलें कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए प्रदान संस्था हर संभव सहायता करने का प्रयास कर रही है। धीरज महतो ने बताया कि प्रदान संस्था बरही में लगभग 25 सालों से सामाजिक कार्यों को करते आ रही है। कोरोनाकाल में भी प्रदान संस्था ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मौके पर समाजसेवी दुर्गेश नन्दिनी, से. विका अनिता देवी, सहिया साथी निशि कुमारी, सहिया संगीता देवी, अल्पना देवी, भानु देवी, सरिता देवी, अंजनी देवी, मालती देवी, प्रीति देवी, पुष्पा देवी, सुनिता विश्वकर्मा, अंजुम बानो, सबिता देवी, साजिया खातून, संयुक्ता सिन्हा, इशरत खातून, तब्बसुम खातून आदि लोग उपस्थित थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में ऑनलाइन तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

अपेम लाइवः बरही
सुजीत कुमार

सात, आठ और 9 जुलाई को तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इसका आयोजन डीएवी सीएई के द्वारा झारखंड जोन एफ क्लस्टर के लिए आयोजित किया गया था। झारखंड जोन एफ के एआरओ एमके सिन्हा के कुशल निर्देशन में यह कार्यशाला सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में झारखंड जोन एफ के एआरओ एमके सिन्हा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला में सीखे गए सभी कौशल को कक्षा में विद्यार्थियों के साथ आप जरूर साझा करें ताकि शिक्षण की गुणवत्ता बढ़े और विद्यार्थियों में अधिगम क्षमता का अधिक से अधिक विकास हो। उस कौशल से बच्चे भी लाभान्वित हो सकें, तभी इस कार्यशाला का औचित्य पूर्ण हो पाएगा। शिक्षकों के कौशल संवर्धन हेतु यह कार्यशाला विद्यालय में पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों के साथ–साथ पढ़ाने की तकनीक व इस महामारी में और बेहतर तरीके से पठन–पाठन को संपन्न करने हेतु था। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों में कौशल विकास करते हुए छात्र–छात्राओं में विद्या संवर्धन कराना संबंधित विषयों में होने वाली नई नई प्रगति तथा जानकारी से शिक्षकों को अवगत कराते हुए आने वाली चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से शिक्षकों को तैयार करना इस कार्यशाला का उद्देश्य था। विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा ग्रहण करना यह एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। हम सबों को हर पल, हर वक्त कुछ नया सीखने की जरूरत है। समय के साथ साथ शिक्षण प्रणाली में होने वाले बदलाव को अपनाते हुए शिक्षकों को अपने कौशल का विकास करना चाहिए ताकि वे छात्रों को और भी बेहतर ढंग से शिक्षित कर पाएंगे। डीएवी संस्था विषय वार कार्यशाला का आयोजन करती है ताकि शिक्षक गण अपने जीवन में आने वाली परेशानियों का एक दूसरे की मदद से दूर करते हुए, नई –नई तकनीक व सुधार को सीख कर अपने शिक्षण कौशल को बेहतर बनाते हुए बच्चों के बेहतर भविष्य के संवाहक बन सके। प्राचार्य ने कहा कि शिक्षकों को विषय विशेषज्ञों की सलाह अपनाते हुए उसका प्रयोग अपनी कक्षा में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना वारियर की तरह शिक्षकों ने शिक्षा को चुनौती के रूप में लेते हुए अपने कौशल को ऑनलाइन शिक्षा से भी संबंध किया और बेहतर परिणाम भी दे रहे हैं। कहा कि व्यक्ति जीवन पर्यंत सीखता है अतः शिक्षकों को भी इस चरैवेति –चरैवेति मंत्र को अपनाते हुए शिक्षक प्रशिक्षण में सीखे ज्ञान को बच्चों में समाविष्ट करने का प्रयास करना चाहिए तभी इस कार्यशाला का उद्देश्य पूरा होगा। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही से रिसोर्स पर्सन के रूप में हिंदी विषय में अमित कुमार, नीरू कुमारी, अंग्रेजी विषय में अर्चना शर्मा, गणित विषय में पूनम ज्योति, राजीव कुमार पांडे, आलोक सिन्हा, संस्कृत विषय में मिथिलेश कुमार, सुशील कुमार सिंह, जीव विज्ञान विषय में संध्या सिंह, ममता कुमारी, सामाजिक विज्ञान विषय में निर्मल प्रसाद, अजीत कुमार राणा, राजेश कुमार, कम्प्यूटर विषय में दीपक शरण, डीपी प्रोग्राम में उषा कुमारी ने अपने शिक्षण कौशल का बेहतर प्रदर्शन किया।

सद्भावना विकास मंच ने निवर्तमान एसडीओ को दिया विदाई व सम्मान

अपेम लाइवः बरही

एसडीएम डॉ कुमार ताराचंद का स्थान्तरण होने पर सद्भावना विकास मंच की ओर से विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजसिंह चौहान सहित अन्य सदस्यों ने निवर्तमान एसडीओ को बुके देकर सम्मानित करते हुए अगले कार्यकाल को लेकर शुभकामनाएं दिया। साथ ही उन्हें शॉल ओढाकर व मंच का पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। कोरोनाकाल में किए गए कार्यो को याद किया गया। साथ ही उनके कार्यकाल की सराहना की गई । एसडीएम ने भी मंच को शुभकामनाएं देते हुए इसी तरह सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। मौके पर सद्भावना विकास मंच के अध्यक्ष राजसिंह चौहान, सचिव कुंदन कुमार, कोषाध्यक्ष आजाद हुसैन, सोशल मिडिया प्रभारी जियाउल हक, उप सचिव मनोज कुशवाहा, सदस्य सरफराज, पूजा देवी, रेखा देवी सहित सद्भावना की पूरी टीम मौजूद थी।